दैनिक जागरण

| Publication | Dainik Jagran |
|---|---|
| Language/Frequency | Hindi/Daily |
| Page No | 05 |
| Edition | Meerut & Meerut Dehat |
| Date | 14th April 2019 |


# प्रॉपर्टी कारोबार से मिला 455 करोड़ का राजस्व

राजेंद्र शर्मा • मेरठ

जिले में प्रॉपर्टी के लेन-देन का कारोबार अब काफी तेज रफ्तार पकड़ रहा है। बीते वित्तीय वर्ष में प्रॉपर्टी के लेन-देन से कर एवं निबंधन विभाग ने 455 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति की है। चुनावी वर्ष में राजस्व प्राप्ति की यह बड़ी उपलब्धि है। वहीं, अब नए वित्तीय वर्ष में रैपिड रेल, एक्सप्रेस वे एवं अन्य नई परियोजनाओं के आने से राजस्व और बढ़ने की संभावना है।

कर एवं निबंधन विभाग की राजस्व प्राप्ति का मुख्य स्रोत जिले में होने वाले बैनामे, एग्रीमेंट एवं किरायानामा आदि से है। प्रॉपर्टी के कारोबार में नोटबंदी के साल में भारी गिरावट आई थी। तब कर एवं निबंधन विभाग में गिनती के ही बैनामे आदि होते थे। अब प्रॉपर्टी के लेन-देन ने तेजी से रफ्तार पकड़ ली है। वित्तीय वर्ष 18-19 में कर एवं निबंधन विभाग का राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य 599 करोड़ का था। विभाग ने 455 करोड़ 99 लाख राजस्व प्राप्त किया है। यह प्राप्ति 76.12 फीसद रही है। वर्ष-14-15 में विभाग का राजस्व प्राप्ति का कुल लक्ष्य 517.40 करोड़ था। जबकि विभाग ने प्राप्ति 397.08 करोड़ की। यह 76.74 फीसद रहा है। जबकि बैनामों की कुल संख्या पूरे साल में 47,156 रही है। वित्तीय वर्ष-2018-19 के बराबर ही इस साल राजस्व की प्राप्ति हुई। जबकि 16-17 में लक्ष्य 597.70 करोड़ था। प्राप्ति 331.57 करोड़ रहा तथा 55.47 फीसद रहा। इस साल बैनामे 34,143 रहे। इस साल नोटबंदी का सीधा असर प्रॉपर्टी के लेनदेन पर दिखायी दिया।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में रैपिड रेल, एक्सप्रेस वे एवं नई परियोजनाओं के आने से प्रॉपर्टी के लेनदेन की रफ्तार और तेज होने की संभावना है।

**वीके तिवारी**, एआइजी स्टांप मेरठ

## वित्तीय वर्ष-18-19 में माहवार लक्ष्य व प्राप्ति

| माह | लक्ष्य | प्राप्ति | फीसद | बैनामे |
|---|---|---|---|---|
| अप्रैल | 43.55 | 33.7 | 75.94 | 3475 |
| मई | 51.47 | 41.09 | 79.83 | 4180 |
| जून | 52.84 | 40.05 | 75.80 | 4286 |
| जुलाई | 64.53 | 53.42 | 82.79 | 4807 |
| अगस्त | 45.99 | 33.37 | 72.56 | 3263 |
| सितंबर | 47.36 | 32.85 | 69.37 | 3216 |
| अक्टूबर | 48.02 | 36.19 | 75.38 | 3787 |
| नवंबर | 40.50 | 32.65 | 80.63 | 3330 |
| दिसंबर | 53.52 | 37.83 | 70.68 | 3838 |
| जनवरी | 50.42 | 43.46 | 86.20 | 4364 |
| फरवरी | 47.69 | 33.81 | 70.90 | 3523 |
| मार्च | 53.11 | 38.15 | 71.84 | 3359 |

नोट : लक्ष्य एवं प्राप्ति करोड़ में

जागरण

https://www.jagran.com/uttar-pradesh/meerut-city-455-crore-revenue-earned-from-property-business-19132210.html

# प्रॉपर्टी कारोबार ने पकड़ी रफ्तार, 455 करोड़ का मिला राजस्व

*प्रॉपर्टी के कारोबार में नोटबंदी के साल में भारी गिरावट आई थी। तब कर एवं निबंधन विभाग में गिनती के ही बैनामे आदि होते थे। अब प्रॉपर्टी के लेन-देन ने तेजी से रफ्तार पकड़ ली है।*

**मेरठ, [राजेंद्र शर्मा]।** जिले में प्रॉपर्टी के लेन-देन का कारोबार अब काफी तेज रफ्तार पकड़ रहा है। बीते वित्तीय वर्ष में प्रॉपर्टी के लेन-देन से कर एवं निबंधन विभाग ने 455 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति की है। चुनावी वर्ष में राजस्व प्राप्ति की यह बड़ी उपलब्धि है। वहीं, अब नए वित्तीय वर्ष में रैपिड रेल, एक्सप्रेस वे एवं अन्य नई परियोजनाओं के आने से राजस्व और बढ़ने की संभावना है।

**राजस्व प्राप्ति का मुख्य स्त्रोत बैनामे**

कर एवं निबंधन विभाग की राजस्व प्राप्ति का मुख्य स्रोत जिले में होने वाले बैनामे, एग्रीमेंट एवं किरायानामा आदि से है। प्रॉपर्टी के कारोबार में नोटबंदी के साल में भारी गिरावट आई थी। तब कर एवं निबंधन विभाग में गिनती के ही बैनामे आदि होते थे। अब प्रॉपर्टी के लेन-देन ने तेजी से रफ्तार पकड़ ली है। वित्तीय वर्ष 18-19 में कर एवं निबंधन विभाग का राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य 599 करोड़ का था। विभाग ने 455 करोड़ 99 लाख राजस्व प्राप्त किया है। यह प्राप्ति 76.12 फीसद रही है। वर्ष-14-15 में विभाग का राजस्व प्राप्ति का कुल लक्ष्य 517.40 करोड़ था। जबकि विभाग ने प्राप्ति 397.08 करोड़ की। यह 76.74 फीसद रहा है। जबकि बैनामों की कुल संख्या पूरे साल में 47,156 रही है। वित्तीय वर्ष-2018-19 के बराबर ही इस साल राजस्व की प्राप्ति हुई। जबकि 16-17 में लक्ष्य 597.70 करोड़ था। प्राप्ति 331.57 करोड़ रहा तथा 55.47 फीसद रहा। इस साल बैनामे 34,143 रहे। इस साल नोटबंदी का सीधा असर प्रॉपर्टी के लेनदेन पर दिखायी दिया।

**इन्होंने कहा**

वर्तमान वित्तीय वर्ष में रैपिड रेल, एक्सप्रेस वे एवं नई परियोजनाओं के आने से प्रॉपर्टी के लेनदेन की रफ्तार और तेज होने की संभावना है।

**- वीके तिवारी, एआइजी स्टांप मेरठ**